राजनीतिक तरकस

RNI NO.: DELHIN/2016/70363

देश का सबसे तेज साप्ताहिक

मूल्य : ₹5

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 06 ■ पृष्ठ : 08 ■ नई दिल्ली

■ बुधवार ■ 02 नवम्बर, 2022 (02 नवम्बर से 08 नवम्बर 2022)

राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार

हिंदुत्व पर होड़ की सियासत

अभय तिवारी

(वरिष्ठ पत्रकार)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से भारतीय करेंसी पर महात्मा गांधी के साथ माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की फोटो छापने की मांग उठाई है। केजरीवाल ने इसके पीछे तर्क दिया है कि इससे देश की अर्थव्यवस्था की हालत सुधरेगी, देश की अर्थव्यवस्था में कितना सुधार होगा इसके बारे में तो निश्चित रूप से कुछ भी कहा नहीं जा सकता लेकिन गुजरात और हिमाचल विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल की इस अजीबोगरीब मांग ने दिल्ली की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है। विभिन्न राजनीतिक दलों की कड़ी आलोचनाओं के बावजूद केजरीवाल अपनी मांग से पीछे हटने या कोई सफाई देने की जगह 2 दिन बाद प्रधानमंत्री को पत्र लिख करके इसे 130 करोड़ देशवासियों की इच्छा बताते हुए जल्द से जल्द पूरा किए जाने की मांग कर दी।

केजरीवाल का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब गुजरात में चुनावी सरगर्मी अपने शबाब पर पहुंच चुकी है। माना जा रहा है कि जल्द ही चुनाव की तारीखों का ऐलान भी हो सकता है। अन्ना आंदोलन से निकले केजरीवाल ने सियासत में भ्रष्टाचार को खत्म कर विकास की राजनीति करने का वादा करके राजनीति में आए थे और भाजपा के हिंदुत्व की पॉलिटिक्स पर सवाल खड़े करते थे। केजरीवाल उस दौर में अपनी विकास वाली छवि गढ़ने में व्यस्त थे और तब यह दिखाना चाहते थे कि धर्म या मंदिर नहीं, बल्कि स्कूल और विकास उनका प्रमुख एजेंडा है। केजरीवाल ने 2018 में दिल्ली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था, मैं सोच रहा था कि अगर जवाहर लाल नेहरू स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की जगह मंदिर बना देते क्या इस देश का विकास हो सकता था? केजरीवाल ने 2014 में कानपुर में एक रैली में अपनी नानी का ज़िक्र करते हुए कहा था, मेरी नानी कहती है कि भगवान राम किसी मस्जिद को तोड़कर ऐसे मंदिर में नहीं बस सकते।

केजरीवाल के तर्ज पर 2018 में आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की जगह यूनिवर्सिटी बना देनी चाहिए। इस तरह से आम आदमी पार्टी धार्मिक सियासत के बजाय विकास वाली राजनीति करने का एजेंडा सेट कर रही थी।

अब आम आदमी पार्टी ने बदला एजेंडा

हालांकि, सियासत ने ऐसी करवट ली कि आम आदमी पार्टी सिर्फ हिंदुत्व के एजेंडे पर ही नहीं बल्कि राममंदिर और भगवान को लेकर भी बदली है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में केजरीवाल खुद को हनुमान भक्त बता रहे थे तो यूपी के चुनाव में राम मंदिर के दर्शन करने पहुंचे थे। गुजरात में खुद को किशन कन्हैया का भक्त बता दिया। इस तरह केजरीवाल ने हिंदुत्व कार्ड का इस्तेमाल कभी भाजपा के कठोर हिंदुत्व की काट में, कभी चुनाव के समय जनता से वोट की चाह में, तो कभी खुद को सच्चा हिंदू साबित करने के लिए किया।

आखिर भारत की राजनीति में ऐसा क्या बड़ा परिवर्तन आ गया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी राजनीति का आगाज करने वाले केजरीवाल को हिंदुत्व की शरण में जाना पड़ा। इसका जवाब 2014 के लोकसभा चुनाव के परिणाम की तरफ से हमें लेकर के जाता है।

नरेंद्र मोदी के सियासी उभार में हिंदुत्व के फॉर्मूले को सबसे बड़ा और अहम कारण माना जाता है तो साथ ही सियासत में इसे भाजपा का सफल प्रयोग भी कहा गया। साल 2002 में मोदी ने जिस हिंदुत्व कार्ड के जरिए गुजरात में अपनी पहचान बनाई और सत्ता में आए और एक दशक से अधिक समय तक लगातार सत्ता संभाली। 2014 में इसी प्रयोग को आगे बढ़ाते हुए नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय राजनीति में आए और फिर भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाई। भाजपा उसी हिंदुत्व के फॉर्मूले पर लगातार जीत पर जीत दर्ज करती जा रही है जिसने उसे लंबे समय तक एक राजनीति का अछूत बना करके रख दिया था।

मोदी के अगुवाई में भाजपा को मिल रही जीत का श्रेय कहीं ना कहीं हिंदुत्व की राजनीति को दिया जाता है और गुजरात को इसकी प्रयोगशाला के तौर पर देखा जाता है। गुजरात फिर एक ऐसे ही मोड़ पर दिख रहा है। जहां 27 साल से भाजपा सत्ता में काबिज है तो आम आदमी पार्टी गुजरात की सत्ता में आने के लिए जद्दोजहद कर रही है। केजरीवाल लगातार सियासी प्रयोग करते दिख रहे हैं। एक तरफ मोदी के हिंदुत्व की राजनीति की काट करने की कोशिश है तो दूसरी तरफ राष्ट्रीय राजनीति में बीजेपी का विकल्प बनने की कवायद है। केजरीवाल को अच्छी तरह से पता है कि यदि वह गुजरात में मोदी को थोड़ी बहुत ही चुनौती देने में सफल होते हैं तो वह निर्विवाद रूप से 2024 में मोदी को चुनौती देने वाले किसी भी गठबंधन के नेता पद के बड़े दावेदार हो सकते हैं। केजरीवाल गुजरात से अपनी सियासी पहचान बनाने की कोशिश में हैं। यही वजह है कि भाजपा के कठोर हिंदुत्व के जवाब में केजरीवाल भी हिंदुत्व की पिच पर उतर चुके हैं। केजरीवाल ने सोमनाथ मंदिर के दर्शन से चुनावी बिगुल फूंका है। गुजरात में में केजरीवाल ने कहा था, जिस दिन मेरा जन्म हुआ, उस दिन श्रीकृष्ण जन्माष्टमी थी। मुझे भगवान ने एक स्पेशल काम देकर भेजा है। वो है इन 'कंस की औलादों'का नाश करने के लिए।

गुजरात में गायों को लेकर भी केजरीवाल बयान दे चुके हैं। उनका कहना था कि हम सब लोग गाय को अपनी माता मानते हैं, अगर गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो हर गाय की अच्छी तरह से देखभाल करेंगे। हर गाय के रख-रखाव के लिए हम लोग 40 रुपये प्रति गाय प्रति दिन के हिसाब से देंगे। वहीं, गुजरात यात्रा के दौरान केजरीवाल पारंपरिक वेशभूषा में सोमनाथ मंदिर के दर्शन करने भी पहुंचे थे। इसके अलावा वो गुजरात में द्वारकाधीश मंदिर और स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर भी होकर आए हैं।गुजरात के ही दाहोद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि आम आदमी पार्टी गुजरात में सत्ता में आती है, भगवान राम के दर्शन के इच्छुक लोगों की अयोध्या यात्रा का पूरा खर्च वहन करेगी।

दरअसल राजनीति की धारा बदलने आए केजरीवाल कोई एहसास हो गया है कि मोदी को चुनौती पारंपरिक से गुलरिया ब्रिगेड के सिद्धांतों और तरीकों से नहीं दिया जा सकता है इसीलिए उन्होंने करेंसी पर लक्ष्मी गणेश की फोटो लगाने की मांग करके भाजपा और मोदी से बड़ा हिंदुत्व का पैरोकार बनने की कोशिश की है। केजरीवाल के इस यू-टर्न से एक बात पर स्पष्ट हो गई है कि और भारत की राजनीति में हिंदुत्व कोई अछूत का मसला नहीं बल्कि राजनीति की मुख्यधारा का विषय बन चुका है जिससे कोई भी दल अब इनकार नहीं कर सकता।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 06, नई दिल्ली, बुधवार, 02 नवम्बर , 2022

रीजनल सिनेमा का उदय

डॉ गौरी श्रीवास्तव
सलाहकार संपादक राजनीतिक तरकस

बॉलीवुड के डूबने के साथ ही रीजनल सिनेमा उभर कर सामने आ रहा है जिसे कि दशकों से लाइमलाइट में आने से वंचित रखा गया। अभी हाल ही में रीजनल सिनेमा की तमाम फिल्में सामने आयी है जिसे कि दर्शकों ने बहुत अधिक सराहा है और प्यार दिया है। यह फिल्में बॉलीवुड की तरह सस्ता मनोरंजन नहीं प्रदान करती बल्कि अपने दमदार कंटेंट से दर्शकों में अपनी जगह बनाती है। ऐसी ही एक बेहतरीन फिल्म आयी है 'हर हर महादेव' जिसे कि हर किसी को देखना चाहिये। जानिये कि किन जब एक हिन्दू का दिमाग फिरता है तो क्या तांडव होता है। जानिये किन किन बलिदानो पर हमारे स्वराज की नींव रखी है। जानिये कि अगर छत्रपति शिवाजी राजे ना होते तो हम आज कहाँ होते। जानिये कि कैसे भारत पर उसकी सम्पदा के लिए ही नहीं उसकी महिलाओं के लिये भी आक्रमण हुये। बात यह नहीं कि प्रेम था षड्यंत्र यह कि जब हिन्दू महिलाएं ही नहीं होगी तो हिन्दू नस्ल कैसे आगे बढ़ेगी। ऐसा बहुत कुछ जो कि हमें सोचने पर मजबूर कर देगा। इस फिल्म में देखिये कि उन ऐतिहासिक चरित्रों को जिन्होंने मुग़लों के छक्के छुड़ा दिए थे, उस महान मराठा विरासत को जिसको कि महाराष्ट्र तक ही सीमित कर दिया गया। ठीक वैसे ही जैसे चोल, पल्लव, राष्ट्रकूट इत्यादि राजवंशों की गाथा को दक्षिण भारत तक सीमित कर दिया गया। 'हर हर महादेव' में दिखाया गया कि कैसे मुट्ठी भर मराठों ने मुग़लों की विशाल सेना को गाजर मूली जैसा काट दिया। कैसा था और आज भी है, मराठों का छत्रपति शिवा जी महाराज के प्रति सम्मान और समर्पण। देखिये मुग़लों को धूल चटाने अंग्रेज़ नहीं आये थे, वह काम हमने स्वयं कर दिया था। हमारा पतन हमारी आपसी फूट के कारण हुआ अन्यथा हमें कोई हरा कर हम पर शासन नहीं कर सकता था। इस फिल्म में शरद केलकर का अभिनय जो उनके हृदय में विराजमान छत्रपति शिवा जी राजे के लिये आस्था को दिखाता है तथा समस्त मराठी एक्टर्स का अभिनय जो कि उनकी क्षमता को प्रदर्शित करता है। सबसे अच्छी बात, इस फिल्म में सूत्रधार के लिए राज ठाकरे जी आवाज़ का इस्तेमाल हुआ है जो कि इस फिल्म को और निखार देती है एक दूसरे ही स्तर तक ले जाती है।

दिल्ली सरकार के स्कूलों का निरीक्षण कर रमेश बिधूड़ी ने लगाए केजरीवाल सरकार के वर्ल्ड क्लास शिक्षा मॉडल पर आरोप

नई दिल्ली। तरकस संवाददाता दक्षिणी दिल्ली से सांसद रमेश बिधूड़ी ने आज पत्रकारों सहित छतरपुर विधानसभा स्थित आया नगर मे दिल्ली सरकार के स्कूल का निरीक्षण किया।

बिधूड़ी ने पत्रकारों के साथ स्कूल के टॉयलेट, क्लासरूम, व पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए वहां पाया कि किस प्रकार पीने के पानी की व्यवस्था गंदगी के समान बनी हुई है पानी की टंकियां खुली है, शौचालय बदतर हालात में है, कक्षाओं की खिड़कियां टूटी हुई है कमरे जर्जर स्थिति में है। इस दौरान सांसद बिधूड़ी ने बताया कि सुविधाओं से वंचित गरीबों के बच्चे उक्त परेशानियों मे रहकर किस तरह पढ़ाई कर पाते होंगे इसका अंदाजा दिल्ली सरकार के इन स्कूलों में आकर लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा 6 महीने पहले पत्रकारों सहित छतरपुर स्थित भाटी माइंस मे दिल्ली सरकार के स्कूल का इसी प्रकार निरीक्षण कर लोगों को स्कूलों की बदतर स्थिति के बारे में अवगत कराया था, परंतु यह दुर्भाग्य की बात है कि विश्व स्तरीय शिक्षा मॉडल का ढोल बजाने वाले केजरीवाल षड्यंत्र रच कर गुमराह करते हैं और गरीब जनता केजरीवाल की कथनी और करनी के अंतर को ना समझते हुए फ्री की लुभावनी बातों में फंस जाती है और इसका खामियाजा उनके बच्चों को भुगतना पड़ता है। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली की तरह अब गुजरात को लोगों को भी फ्री का झांसा देने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं। पहले आम आदमी पार्टी की केजरीवाल सरकार दिल्ली की समस्याओं पर ध्यान दें, किस प्रकार गरीबों के बच्चे स्कूलों में नारकीय रूप में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, मोहल्ला क्लीनिको की स्थिति बद से बदतर है, लोग सीवर और पीने के पानी की समस्या से जूझ रहे हैं पहले इन्हें ठीक करें। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि 2014 मे केजरीवाल बनारस गए वहां की जनता ने उनकी नीतियों को नकारा, दिल्ली आकर पुन्हा दिल्ली की जनता से माफी मांग दिल्ली छोड़ कर और कहीं चुनाव ना लड़ने की बात कही परंतु दिल्ली की जनता से किए वादों को तोड़कर केजरीवाल अब गुजरात चुनाव में सक्रिय हो चुके हैं अगर केजरीवाल अपनी करनी और कथनी मे अंतर रखेंगे तो आने वाले चुनाव में जनता मुंहतोड़ जवाब देगी।

अन्नकूट महोत्सव में उमड़ा जन सैलाब, 50 हजार का आंकड़ा भी पीछे छूटा: पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल

राजनीतिक तरकस
गुरुग्राम, सतीश भारद्वाज

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की गुरुग्राम शाखा के तत्वावधान में आयोजित अन्नकूट महोत्सव एवं स्नेह मिलन समारोह में जन सैलाब उमड़ पड़ा। लोगों की भीड़ का आलम यह रहा कि जितनी भीड़ सुबह ग्यारह बजे थी उतना ही जन समूह सायं चार बजे तक मौजूद था। लोगों की भीड़ जा रही थी और आ रही थी। भारी जनसमूह देख आयोजक विशेषकर वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महासम्मेलन के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल गदगद नज़र आए। उन्होंने कहा कि पचास हजार लोगों के जुटने का उनका शुरु से आकलन बहुत पीछे छोड़ दिया। उनका कहना है कि सरसरी तौर पर देखें तो सत्तर हजार से अधिक लोगों ने अन्नकूट का भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

पहले से तय सुबह ग्यारह बजे से कुछ पहले ही ज्योति प्रज्जवलन का कार्यक्रम शुरु कर दिया गया। इसके साथ ही ग्यारह सौ से अधिक ब्राह्मणों ने शंखनाद एवं खरताल की ध्वनि से पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। ज्योति प्रज्जवलन एवं शंखनाद कार्यक्रम का संचालन कर शीतला माता मंदिर के मुख्य पुजारी हरिओम शर्मा ने कहा कि जहां तक शंख ध्वनि जाती है वहां तक वातावरण शुद्ध हो जाता

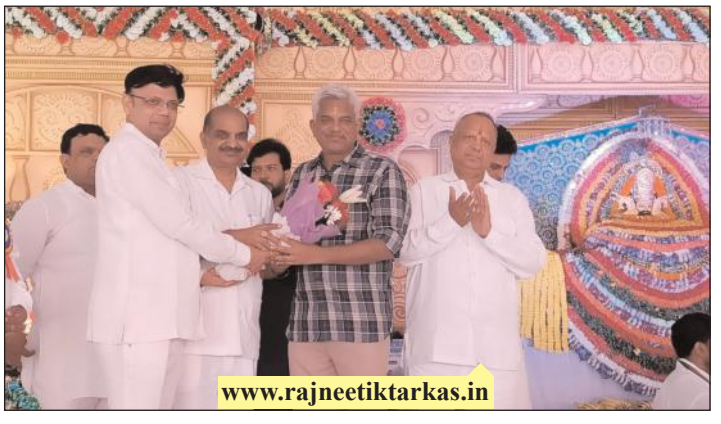

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के स्वामी नरेंद्रानंद ने कहा कि अन्नकूट का अथ ही बहुत व्यापक है। प्रकृति संरक्षण ओर गौसंवर्धन के उद्देश्य से अन्नकूट का आयोजन किया जाता है। उन्होंने इस बात पर खेद जताया कि लोग भगवान श्रीकृष्ण को तो मानते हैं लेकिन श्रीकृष्ण की मानते नहीं हैं। समाज में जो समर्पण और लगाव होना चाहिए था वह कहीं दिखाई नहीं दे रहा है।

इसी बीच शुरु हुए भजन सम्राट कन्हैया लाल मित्तल के श्याम बाबा के भक्ति भजन ''हम पर नजर जब बाबा की पड़ेगी, तेरी भी बनेगी बात-मेरी भी बनेगी'' पर श्रद्धालु झूम उठे। इसके बाद उन्होंने कई और भजन सुनाए। प्रत्येक भजन पर श्रद्धालु बराबर झूम रहे थे।

ज्योति प्रज्जवलन और शंखनाद के तुरंत बाद प्रसाद भोजन आरंभ कर दिया गया। चार हजार लोगों के एक साथ कतार में कुर्सियों पर बैठ कर प्रसाद ग्रहण करने की व दो हजार लोगों के बुफे सिस्टम से भोजन लेने की व्यवस्था की गई थी। लोगों की इतनी भारी भीड़ के बावजूद कार्यक्रम के समापन तक शांत व्यवस्था बनी हुई थी।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल ने अपने वक्तव्य में स्पष्ट कहा कि अन्नकूट का इतना विशाल और व्यवस्थित कार्यक्रम उन्होंन अपने जीवन में नहीं देखा। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने यह तो अवश्य सुना था कि श्री उमेश अग्रवाल बड़े कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जाने जाते हैं और आज उन्होंने प्रत्यक्षतः देख भी लिया कि भीड़ जुटाने और व्यवस्थित कार्यक्रम करने में वास्तव में ही श्री अग्रवाल माहिर एवं सक्षम हैं। उनका लोगों से नजदीक का जुड़ाव और लगाव बना हुआ है।

कार्यक्रम में पधारे आनंद पीठाधीश्वर डॉ. बालकानंद गिरी, जैन संत सौरभसेन भट्टारक पट्टाचार्य, स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर के आचार्य धर्ममूति, अक्षर चिंतन व परमहंस भीष्मध्यानानंद महाराज ने भी समारोह आयोजकों और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया।

अन्नकूट महोत्सव में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, पूर्व मंत्री धर्मबीर गाबा, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी व शहर के गणमान्य लोग शामिल हुए। अन्नकूट महोत्सव में व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चेयरमैन एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बालकिशन अग्रवाल, वैश्य महासम्मेलन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सुधीर हल्वासिया, युवा अध्यक्ष श्रीराम अग्रवाल, महमंत्री यूपी भारतभूषण, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शारदा गुप्ता, गिरीश बंसल व हेमंत सहित वैश्य महासम्मेलन राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के नेता शामिल हुएं इस भव्य महोत्सव का संचालन वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महासचिव दुर्गादत्त गोयल ने किया।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक जितेंद्र तिवारी द्वारा इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18/19/20, सी ब्लॉक, सेक्टर 59, नोएडा, उ.प्र.-201301 से मुद्रित तथा ई632/7 सी संगम विहार साउथ दिल्ली -110080 से प्रकाशित। प्रकाशित लेखों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा। प्रधान संपादक : **जितेंद्र तिवारी** प्रबंध संपादक :**राजेश तिवारी**
RNI NO.: DELHIN/2016/70363 Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069 Website: www.rajneetiktarkas.in

राजनीतिक तरकस
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 06, नई दिल्ली, बुधवार, 02 नवम्बर , 2022

गृह मंत्रियों के चिंतन शिविर में मोदी का सुझाव

देश में एक जैसी हो पुलिस की पोशाक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राज्यों के पुलिसकर्मियों के लिए 'वन नेशन, वन यूनिफॉर्म' पॉलिसी का सुझाव दिया है। PM हरियाणा के सूरजकुंड में गुरुवार से चल रहे गृह मंत्रियों के चिंतन शिविर के समापन समारोह को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों और गृह मंत्रियों से कहा- पुलिस के लिए 'वन नेशन, वन यूनिफॉर्म' केवल एक विचार है। मैं इसे आप पर थोपने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। बस इस पर विचार करें। हो सकता है इसमें 5 साल या 50-100 साल लगें, लेकिन हमें इसके बारे में विचार करना चाहिए।

पुलिस थानों के लिए दिया बेहतर सुझाव

थानों के ऊपर 20 मंजिल बिल्डिंग बना दें। सुरक्षा बना दें। ताकि पुलिस थाना आधुनिक हो जाए और उसी के ऊपर रहने की व्यवस्था बन जाएगी। हर शहर में 20-25 थाने ऐसे होंगे, जिन्हें सुधारा जा सकता है। ताकि कोई पुलिस वाला 20-25 किमी दूर जाकर घर न ले।

मेरा विचार है, फैसला आप करें

'वन नेशन, वन यूनिफॉर्म' केवल एक विचार है। मैं इसे थोपने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। हो सकता है इसमें 5 साल या 50-100 साल लगें।

नरेंद्र मोदी

फेक न्यूज पर भी अलर्ट किया

प्रधानमंत्री ने शिविर में फेक न्यूज पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा- आज सोशल मीडिया दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन इसके इस्तेमाल में सावधानी भी जरूरी है। एक छोटी सी फेक न्यूज पूरे देश में तूफान ला सकती है। लोगों को इस बारे में जागरूक करने की जरूरत है कि कुछ भी फॉरवर्ड करने से पहले सोचें। जो भी संदेश आपके पास आए, उसे फॉरवर्ड करने से पहले इसकी सच्चाई जरूर परख लें।

लॉ एंड ऑर्डर सिस्टम को स्मार्ट होना होगा

PM ने कहा कि कानून-व्यवस्था के पूरे सिस्टम का विश्वसनीय होना बहुत महत्वपूर्ण है। स्मार्ट टेक्नोलॉजी से कानून-व्यवस्था को स्मार्ट बना पाना संभव होगा। साइबर क्राइम हो या फिर ड्रोन टेक्नोलॉजी का हथियारों और ड्रग्स तस्करी रोकने में उपयोग, इनके लिए हमें नई टेक्नोलॉजी पर काम करते रहना होगा।

इंटर स्टेट और इंटरनेशनल क्राइम हो रहे हैं

PM ने कहा- कानून-व्यवस्था एक राज्य तक सीमित नहीं है। इंटर स्टेट और इंटरनेशनल क्राइम हो रहे हैं। तकनीक के साथ, अपराधियों के पास अब राज्यों में अपराध करने की शक्ति है। सीमा से परे अपराधी तकनीक का दुरुपयोग कर रहे हैं। सभी राज्यों की एजेंसियों के बीच समन्वय और केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच समन्वय जरूरी है।

अच्छी चीजें राज्य एक-दूसरे से सीखें

सूरजकुंड में गृह मंत्रालय का यह चिंतन शिविर सहकारी संघवाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह संविधान की भावना है और नागरिकों के प्रति हमारा कर्तव्य है। हर राज्य एक दूसरे से सीखें और मिलजुल कर कार्य करें।

शीतकाल के लिए केदारनाथ के कपाट बंद, बाबा केदार की पंचमुखी डोली उखीमठ के लिए प्रस्थान

भैयादूज के पावन अवसर पर प्रातः 8 बजकर 30 मिनट पर ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग भगवान केदारनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो गये। ढाई हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने और बाबा केदार की जयकार से पूरा धाम गुंजायमान रहा। भगवान केदार की पंचमुखी डोली उखीमठ के लिए प्रस्थान हो चुकी है।

प्रातः तीन बजे केदारनाथ मंदिर खुल गया था। चार बजे से कपाट बंद करने की समाधि पूजन प्रक्रिया शुरू हो गयी। पुजारी टी गंगाधर लिंग ने भगवान केदारनाथ के स्वयंभू ज्योर्तिलिंग को श्रृंगार रूप से समाधि रूप दिया। ज्योर्तिलिंग को बाघंबर, भृंगराज फूल, भस्म, स्थानीय शुष्क फूलों-पत्तों आदि से ढंक दिया गया। इसके साथ ही भकुंट भैरवनाथ के आह्वान के साथ गर्भगृह तथा मुख्य द्वार को जिला प्रशासन की मौजूदगी में बंद किया गया। इसके साथ ही पूरब द्वार को भी सीलबंद किया गया।

मुख्यमंत्री ने जताया आभार

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के अवसर पर तीर्थयात्रियों का आभार

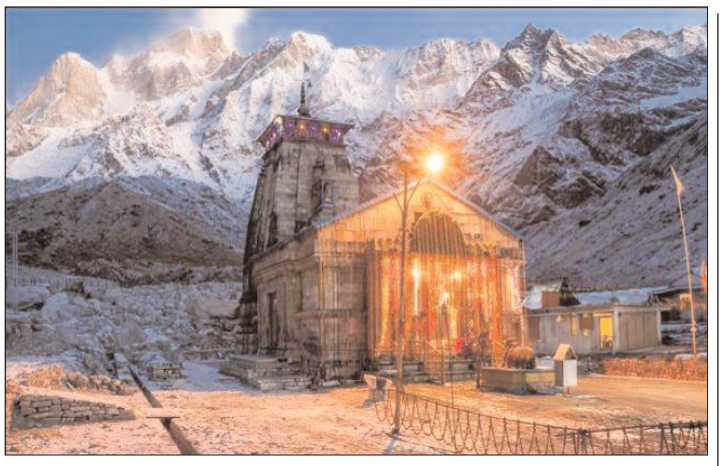

जताया। कहा कि इसबार चारधाम यात्रा में रिकार्ड पैंतालीस लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नई केदारपुरी अस्तित्व में आ चुकी है, जहां तीर्थयात्रियों को हरसंभव सुविधाएं मुहैया हो रही है। गौरीकुंड-केदारनाथ रोप वे के बनने से केदारनाथ यात्रा अधिक सुगम हो जायेगी।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हो रही है। केदारनाथ धाम में भी रिकार्ड श्रद्धालु पहुंचे। इस अवसर पर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, पंकज मोदी, मंदिर समिति उपाध्यक्ष किशोर पंवार, जिला प्रशासन पुलिस के अधिकारी, केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव/ मंदिर समिति मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह, यात्रा मजिस्ट्रेट गोपाल राम बिनवाल, तहसीलदार दीवान सिंह राणा कार्याधिकारी आरसी तिवारी, धर्माधिकारी ओंकार शुक्ला, केदारनाथ सभा अध्यक्ष विनोद शुक्ला, मंदिर समिति मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़, आदि मौजूद रहे।

बाबा केदार के उद्घोष से गुंजायमान रहा धाम

इस दौरान सेना की 11 मराठा लाइट इफ्रंट्री रूद्रप्रयाग के बैंड की भक्तिमय धुनों तथा बाबा केदार की जय के उद्घोष से केदारनाथ धाम गुंजायमान रहा। मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि सामूहिक सहयोग समन्वय से यात्रा का सफलतापूर्वक समापन हुआ है।

उन्होंने पर्यटन विभाग, धर्मस्व विभाग, प्रदेश सूचना विभाग सहित सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

भगवान केदार की पंचमुखी डोली उखीमठ के लिए प्रस्थान

कपाट बंद होने के बाद भगवान केदारनाथ जी की पंचमुखी डोली शीतकालीन गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ के लिए प्रस्थान हुई। आज पंचमुखी डोली प्रथम पड़ाल रामपुर पहुंचेगी। कल 28 अक्टूबर शुक्रवार को देवडोली श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी प्रवास करेगी तथा 29 अक्टूबर शनिवार को श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ पहुंचेगी।

इसी के साथ इस वर्ष श्री केदारनाथ यात्रा का समापन हो जायेगा। अब पंचकेदार गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में भगवान केदारनाथ जी की शीतकालीन पूजाएं शुरू हो जायेगी।

रिकॉर्ड संख्या में पहुंचे तीर्थयात्री

इस वर्ष 1561882 तीर्थयात्रियों ने भगवान केदारनाथ के दर्शन किए। इस यात्रा वर्ष चार धाम यात्रा में रिकॉर्ड तैतालीस लाख से अधिक तीर्थयात्री दर्शन को पहुंचे। हेमकुंट साहिब को मिलाकर यह संख्या पौने छयालीस लाख पहुंच गयी।

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि 19 नवंबर को श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल हेतु बंद हो जायेंगे। जबकि श्री हेमकुंट साहिब-लक्ष्मण मंदिर के कपाट 10 अक्टूबर को बंद हो गये।

द्वितीय केदार तुंगनाथ जी के कपाट 7 नवंबर तथा द्वितीय केदार श्री मद्महेश्वर जी के कपाट 18 नवंबर को बंद हो जायेंगे। इसी के साथ इस वर्ष की चार धाम यात्रा का सफल समापन हो जायेगा।

राजनीतिक तरकस
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01, अंक : 06, नई दिल्ली, बुधवार, 02 नवम्बर, 2022

Delhi Pollution

धुंध और धुएं में दिल्ली-एनसीआर 16 जगहों पर AQI 400 से पार

दिल्ली के अलग-अलग इलाकों का हाल

दिल्ली के इलाके	वायु गुणवत्ता सूचकांक	श्रेणी
शादीपुर	435	गंभीर श्रेणी
द्वारका NSIT	428	गंभीर श्रेणी
DTU	421	गंभीर श्रेणी
पंजाबी बाग	418	गंभीर श्रेणी
नेहरू नगर	404	गंभीर श्रेणी
पटपड़गंज	401	गंभीर श्रेणी
अशोक विहार	422	गंभीर श्रेणी
सोनिया विहार	412	गंभीर श्रेणी
जहांगीरपुरी	430	गंभीर श्रेणी
रोहिणी	409	गंभीर श्रेणी
विवेक विहार	430	गंभीर श्रेणी
नरेला	426	गंभीर श्रेणी
वजीरपुर	430	गंभीर श्रेणी
बवाना	416	गंभीर श्रेणी
मुंडका	412	गंभीर श्रेणी

इस बार दिवाली के अगले दिन दिल्ली की हवा में सुधार था, लेकिन पिछले दो दिनों से एक्यूआई लेवल लगातार गिर रहा है। आज सुबह 6 बजे के करीब दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 390 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। वहीं, दिल्ली के आनंद विहार समेत 16 जगहों पर AQI गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है।

दिल्ली की हवा हर दिन खतरनाक होती जा रही है। इस बार दिवाली के अगले दिन राजधानी की हवा में सुधार देखने को मिला था लेकिन पिछले दो दिन से अब ये बद से बद्तर होती जा रही है। आज (29 अक्टूबर) सुबह 6 बजे के करीब दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 390 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। वहीं, दिल्ली के आनंद विहार समेत 16 जगहों पर AQI गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। इसके अलावा सुबह-सुबह सड़कों पर स्मॉग का साया भी देखने को मिला।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, 29 अक्टूबर को राजधानी के कई इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। दिल्ली में सबसे ज्यादा एक्यूआई, (456) आनंद विहार में दर्ज किया गया। आइये जानते हैं अलग-अलग इलाकों का हाल। दिल्ली के साथ-साथ इसके आसपास के इलाकों का भी बुरा हाल है, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, 29 अक्टूबर को नोएडा के सेक्टर 62 में एक्यूआई 402 दर्ज किया गया। वहीं, गाजियाबाद के वसुंधरा में वायु गुणवत्ता सूचकांक 420 पहुंच गया है। वहीं फरीदाबाद के New Industrial Town में AQI 446 दर्ज किया गया।

इन इलाके में 'बेहद खराब' AQI

इसके अलावा अन्य कई इलाकों का एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। जिसमें अलीपुर, आईटीओ,सिरी फोर्ट, आरके पुरम, आया नगर, लोधी रोड, नॉर्थ कैंपस, मथुरा रोड, पूसा, जेएलएन स्टेडियम, द्वारका सेक्टर-8, करणी सिंह शूटिंग रेंज, नजफगढ़, मेजर ध्यान चंद स्टेडियम, ओखला, अरबिंदो रोड, दिलशाद गार्डन और बुराड़ी शामिल है।

दिवाली के बाद दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार देखने को मिला था लेकिन एक्सपर्ट्स ने साफ कर दिया था कि उस साफ हवा के पीछे मौसमी कारण थे। असल में मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो दिवाली के वक्त बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने की वजह से नॉर्थ ईस्ट कई राज्यों में बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं। वहीं, भारतीय सीमा से सटे बांग्लादेश के तट पर चक्रवात सितरंग के असर ने दिल्ली को प्रदूषण से राहत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बता दें कि शून्य से 50 के बीच AQI अच्छा, 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच AQI 'गंभीर' माना जाता है।

दिल्ली में छठ संस्कृति की यात्रा और विस्तार

के.डी.पाठक,
कवि एवं पत्रकार

छठ पर्व का संबंध भले ही बिहार, यूपी या यूं कहें कि पूर्वांचल से है मगर अब छठ पर्व न सिर्फ दिल्ली बल्कि मुंबई,कोलकाता,सूरत, अहमदाबाद,बंगलोर,जालंधर,गुवाहाटी, नेपाल,जम्मू सहित सम्पूर्ण भारत एवं विदेश में भी मनाया जा रहा है.राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली मे तो छठ पर्व अब न सिर्फ पूर्वांचल या बिहार यूपी के लोगों का पर्व रह गया है बल्कि दिल्ली के सभी सनातनी समुदायों में भी हर्ष और उल्लास के साथ ये पर्व मनाया जाने लगा है.अब छठ पर्व पुरबिया समाज का सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है और दिल्ली के सभी राजनीतिक दल भी छठ पर्व की गतिबिधियों में सक्रिय रहते हैं.यूँ तो साहिब सिंह वर्मा को मुख्यमंत्री रहते हुए पूर्वांचली मतदाताओं का महत्व समझ आ गया था,उन्होंने शुरू में दिल्ली में 5 छठ घाटों को सरकारी घाट घोषित कर दिया था यानी छठ पूजा के दौरान पानी, बिजली सुरक्षा, साफ-सफाई और रख-रखाव जैसे कार्यों की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार द्वारा उठाया जाना. दिल्ली में इस मुहिम में महाबल मिश्रा एवं लाल बिहारी तिवारी पूर्व सांसद के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता है.दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने 1 अक्तूबर 2000 को भोजपुरी समाज दिल्ली के मंच से पहली बार छठ पर्व पर राजधानी में ऐच्छिक अवकाश की घोषणा की थी. वह कार्यक्रम दिल्ली के द्वारका मैदान में हो रहा था.तत्पश्चात् वर्ष 2008 में मैथिली भोजपुरी अकादमी की स्थापना की घोषणा शीला दीक्षित द्वारा की गई.वर्ष 2011 में केन्द्र सरकार ने इस पर्व पर ऐच्छिक अवकाश घोषित किया एवं वर्ष 2014 में दिल्ली में राष्ट्रपति शासनावधि में उपराज्यपाल ने इस पर्व पर पहली बार दिल्ली में पूर्ण अवकाश की घोषणा की.शीला दीक्षित सरकार ने पूर्वाचली समाज की मांग पर छठ घाटों की संख्या बढ़ा कर 22 कर दी.आज दिल्ली में हजारों छठ पूजा समितियां और संगठन हैं जो विधिवत इस त्योहार का आयोजन करती हैं.दिल्ली की राजनितिक सत्ता की चाबी लगभग 30-35 प्रतिशत पूर्वांचली मतों के पास है जिसके कारण राजनितिक नेताओं में भी इस त्योहार की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए होड़ मची रहती है.निःसंदेह शीला दीक्षित की सरकार ने छठ पर्व पर दिल्ली मैं स्वेक्षिक अवकाश घोषित कर इस त्योहार के सांस्कृतिक, सामाजिक, और राजनितिक महत्व को रेखांकित किया था,इसके बाद भाजपा ने भी छठ और पूर्वांचल वोटों की महत्ता के आधार पर मनोज तिवारी जैसे पुरबिया नेता के हाथों में नेतृत्व दिया,और अब तो आम आदमी पार्टी ने तो अनेकों टिकट देकर दर्जनों पुरबिया पृष्टभूमि के नेताओं को आगे बढ़ाया जिसके फलस्वरुप दिल्ली में पर्व और उत्सव का तेजी से विस्तार हुआ.इस वर्ष 2022 में दिल्ली की आप सरकार ने 1100 घाटों के निर्माण, सुविधा और स्वच्छता के लिए 25 करोड़ की रकम घोषित की है जो पिछली बार से भी बड़ी रकम है,वहीं दूसरी ओर भाजपा शासित एमसीडी ने भी दिल्ली के सभी वार्डो में साफ सफाई और अन्य सुविधाओं के लिए 40-40 हजार की रकम घोषित की है.ये छठ पर्व के बढ़ते विस्तार की झांकी है.छठ पर्व अब दिल्ली वालों के लिए नया नहीं हैं पिछली बार 131 स्थानों पर लोककलाकारों का सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया था दिल्ली सरकार द्वारा,उम्मीद है इस बार भी दिल्ली तीर्थ यात्रा महासंघ और मैथिली भोजपुरी अकादमी, साहित्य कला परिषद के सौजन्य से लोक कलाकार छठ गीतो से घाटों की रौनक को बढ़ाएंगे.दिल्ली सरकार प्रशासन और नगर निगम लगातार छठ महापर्व के लिए तैयारियों में जुटे हुए हैं यानी अब दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान बन गया है छठ का पर्व।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं हिंदी, भोजपुरी के राष्ट्रीय कवि हैं)

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
5
वर्ष वर्ष : 01 , अंक : 06, नई दिल्ली, बुधवार, 02 नवम्बर , 2022

पुतिन ने भारत के साथ रिश्तों को खास बताया, 'स्वतंत्रत विदेश नीति के लिए मोदी की प्रशंसा की

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि उनके देश के भारत के साथ रिश्ते खास हैं और दोनों राष्ट्रों ने सदैव एक-दूसरे का समर्थन किया है व भविष्य में भी यह जारी रहेगा। उन्होंने राष्ट्र हित में ''स्वतंत्र विदेश नीति'' पर चलने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी प्रशंसा की है। पुतिन ने यह टिप्पणी मॉस्को स्थित थिंक टैंक वालदाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब के बृहस्पतिवार को आयोजित पूर्ण अधिवेशन को संबोधित करते हुए की।

उन्होंने कहा कि रूस और भारत सैन्य और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करना जारी रखेंगे।

रूस की सरकारी मीडिया 'आरटी' ने पुतिन के हवाले से कहा, ''हमारे भारत के साथ विशेष संबंध हैं जो दशकों की करीबी साझेदारी के आधार पर टिके हुई हैं। हमारा भारत के साथ कोई लंबित मुद्दा नहीं रहा है और हमने सदैव एक दूसरे का समर्थन किया है। मैं भविष्य में भी इस संबंध के ऐसे ही रहने को लेकर सकारात्मक हूं।''

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर महीने में उज्बेकिस्तान के शहर समरकंद में

आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर पुतिन से हुई द्विपक्षीय मुलाकात में कहा था कि यह युग युद्ध का नहीं है। उक्त टिप्पणी के करीब एक महीने के बाद पुतिन की यह टिप्पणी आई है।

उल्लेखनीय है कि भारत ने यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाई की अब तक निंदा नहीं की है और उसका रुख रहा है कि संकट का समाधान संवाद से होना चाहिए।

पुतिन ने कहा, ''प्रधानंत्री मोदी दुनिया के उन व्यक्तियों में से हैं जो अपने देश और लोगों के हित में स्वतंत्र विदेश नीति पर काम कर रहे हैं, कोई उन्हें रोकने की कोशिश नहीं कर रहा।''

उल्लेखनीय है कि रूस भारत के लिए सैन्य साजो सामान का महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है। अक्टूबर 2018 में भारत ने रूस के साथ एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की पांच इकाई खरीदने का समझौता पांच अरब डॉलर में किया था। भारत ने यह समझौता अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाने की चेतावनी के बावजूद किया था।

पुतिन ने कहा कि भारत ने ब्रिटिश उपनिवेश से लेकर आधुनिक राज्य तक विकास की महान यात्रा तय की है और वह अपनी करीब 1.50 अरब आबादी के लिए उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त कर रहा है।

भारत में रूसी दूतावास द्वारा अनुवादित बयान के अनुसार पुतिन ने कहा,'' भारत पूरी दुनिया में सम्मान प्राप्त करता है। हाल के वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बहुत कुछ किया गया। वह वास्तव में देशभक्त हैं। उनकी ' मेक इन इंडिया' प्रमुख कोशिश है। भारत ने इससे वास्तव में प्रगति की है। महान भविष्य सामने है।''

पुतिन ने कहा, ''भारत न केवल सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन उसे अपने विकास दर पर गर्व करना चाहिए जो उसकी प्रगति और विकास पर आधारित है।''

रूसी नेता ने कहा कि दिल्ली और मॉस्को के बीच आर्थिक सहयोग भी बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने मुझसे उर्वरक की आपूर्ति बढ़ाने को कहा, जो भारतीय कृषि के लिए महत्वपूर्ण है और हमने यह किया।'' पुतिन ने बताया विस्तृत जानकारी दिए हुए बताया कि आपूर्ति 7.6 गुना बढ़ी है।

पुतिन ने कहा कि वह मानते हैं कि भारत जैसे देशों का न केवल महान भविष्य आगे है बल्कि उनका वैश्विक नीति में भी भूमिका बढ़ रही है । रूसी राष्ट्रपति की टिप्पणी विदेश मंत्री एस जयशंकर की आठ नंबर को होने वाली मॉस्को यात्रा से पहले आई है।

यमुना में झाग को कम करने के लिए चला स्प्रे, भाजपा और कांग्रेस ने बताया जहरीला

छठ महापर्व की शुरुआत नहाए खाए के साथ हो गई है। वहीं, छठ महापर्व को लेकर दिल्ली में राजनीति भी शुरू हो गई है। दरअसल, यमुना में बीते साल छठ के दौरान झाग बड़ी मात्रा में दिखा था, उसी झाग को लेकर इस बार राजनीति हो रही है। झाग को खत्म करने के लिए रासयन डाला जा रहा है, जिसको भाजपा और कांग्रेस खतरनाक और जहरीला केमिकल बता रही है। कालिंदीकुंज यमुना घाट पर पानी में दिख रहे झाग को खत्म करने के लिए उसमें रसायन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे झाग उसमें नजर नहीं आएगा और पानी साफ़ सुथरा रहेगा, ताकि छठ के दौरान छठ व्रतियों को झाग का सामना न करना पड़े।

नाव के जरिए यमुना के पानी में छिड़काव किया जा रहा है। ताकि यह झाग खत्म हो जाए और छठ महापर्व के दौरान यमुना का पानी साफ सुथरा और स्वच्छ रहे।

अधिकारी ने बताया कि छठ के दौरान यमुना को साफ सुथरा और झाग मुक्त करने के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने संयुक्त समिति बनाई है। उसी समिति ने यह निर्णय लिया है और यमुना के पानी में एक रसायन डाला जा रहा है। इसके वजह से यमुना में झाग नजर नहीं आएगा यमुना साफ सुथरा दिखेगी।

बता दें, छठ महापर्व की शुरुआत नहाए खाए के साथ हो गई है। मान्यताओं के अनुसार छठ महापर्व करने से पहले गंगा यमुना में स्नान करते हैं और इस सिलसिले में दिल्ली के कालिंदी कुंज यमुना घाट पर भी छात्रवृत्ति पहुंचने लगे हैं और यमुना में स्नान कर रहे हैं। इसी को देखते हुए यहां पर प्रशासन ने झाग को काम करने के लिए रसायन का छिड़काव किया जा रहा है।

कालिंदीकुंज यमुना घाट पर छठ पर्व करने की अनुमति नहीं

छठ महापर्व की चारों तरफ तैयारी चल रही है। राजधानी दिल्ली में छठ पूजा पर तैयारियां की जा रही हैं। जगह-जगह छठ घाट बनाए जा रहे हैं, लेकिन कालिंदी कुंज यमुना घाट पर छठ करने की अनुमति प्रशासन नहीं दे रहा है। कालिंदीकुंज छठ पूजा समिति के अध्यक्ष का दावा है कि प्रशासन एनजीटी का हवाला देकर कालिंदी कुंज घाट पर छठ करने की अनुमति नहीं दे रहा है।

राजनाथ सिंह के 'गिलगित-बल्तिस्तान तक पहुंचने' वाले बयान पर पाक की सख़्त प्रतिक्रिया, क्या बोला पाकिस्तान?

राजनाथ सिंह 27 अक्टूबर को भारत प्रशासित कश्मीर में 'शौर्य दिवस' के अवसर पर सेना के ज़रिए आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।

27 अक्टूबर 1947 को भारतीय सेना श्रीनगर पहुंची थी और उसने पाकिस्तानी क़बायलियों के हमले को नाकाम कर दिया था।

भारत इस दिन को शौर्य दिवस के तौर पर मनाता है जबकि पाकिस्तान इसे 'काला दिवस' के रूप में मनाता है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि कश्मीर और लद्दाख़ प्रगति के रास्ते पर है। उन्होंने इसी क्रम में पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर का ज़िक्र किया।

उन्होंने कहा, अभी तो हमने उत्तर दिशा की ओर चलना शुरू किया है। हमारी यात्रा तब पूरी होगी जब हम 22 फ़रवरी 1994 को भारतीय संसद में पारित प्रस्ताव को अमल में लाएंगे और उसके अनुरूप हम अपने बाक़ी बचे हिस्से जैसे गिलगित-बल्तिस्तान तक पहुंचेंगे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आचार्य शंकर से लेकर आज़ाद भारत के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने राष्ट्रीय एकता का जो सपना देखा था वो तभी जाकर पूरा होगा।

राजनाथ सिंह ने कहा था, हमारी यात्रा तो तब पूरी होगी जब 1947 के रिफ्यूजियों को न्याय मिलेगा। जब उनके पूर्वजों की भूमि उन्हें

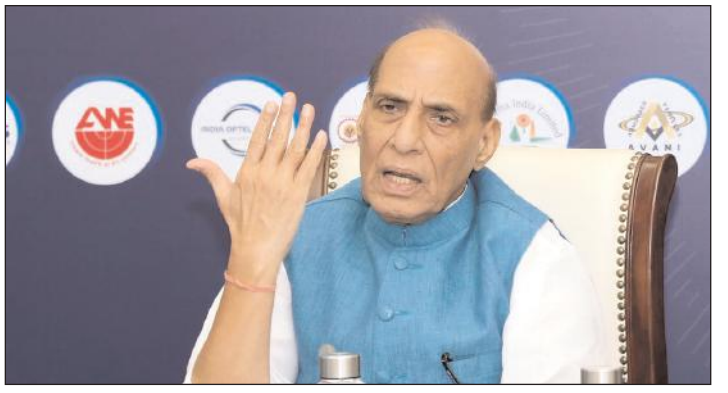

सम्मान के साथ वापस मिल सकेगी। मैं यहां की जनता, और हमारी सेनाओं के पराक्रम के बल पर पूरा आश्वस्त हूं कि वह दिन दूर नहीं जब हमारे यह सभी मैंडेट भी सफलतापूर्वक पूरे होंगे।

पाकिस्तान ने कहा उसके हिस्से का कश्मीर पूरी तरह आज़ाद है

पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर राजनाथ सिंह के बयान का जवाब दिया।

पाकिस्तान ने राजनाथ सिंह के बयान को ग़ैर-ज़िम्मेदाराना, भड़काऊ और अनावश्यक क़रार दिया।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारतीय रक्षा मंत्री का यह कहना कि भारत ने अपने हिस्से वाले कश्मीर में विकास का जो काम शुरू किया है वो तब तक नहीं रुकेगा जब तक यह गिलगित-बल्तिस्तान नहीं पहुंच जाता है, ये बयान बेतुका और हास्यास्पद है।

पाकिस्तान ने कहा कि भारतीय रक्षा मंत्री का बयान पाकिस्तान की ओर भारत के विद्वेष को दर्शाता है।

पाकिस्तान के अनुसार भारत प्रशासित कश्मीर में विकास कार्य तो आंखों का धोखा है और जम्मू-कश्मीर के विवादित होने के ऐतिहासिक सच्चाई को नकारने की एक बचकाना कोशिश है। पाकिस्तान ने कहा कि उसके हिस्से का कश्मीर पूरी तरह आज़ाद है और पूरी दुनिया को वहां जाने की इजाज़त है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि भारत ने अपने हिस्से के कश्मीर पर पिछले 75 वर्षों से बलपूर्वक क़ब्ज़ा कर रखा है और उसे एक विशाल जेल की तरह बना रखा है।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01, अंक : 06, नई दिल्ली, बुधवार, 02 नवम्बर, 2022

जानलेवा बनती अजनबियों से अश्लील वीडियो कॉल्स

सत्यवान 'सौरभ'

बहुत से लोग छेड़खानी और साइबरसेक्स के लिए वेबकैम का उपयोग करते हैं - लेकिन क भी-क भी जिन लोगों से आप ऑनलाइन मिलते हैं वे वे नहीं होते जो वे कहते हैं कि वे हैं। अपराधी नकली पहचान का उपयोग करके पीड़ितों से ऑनलाइन दोस्ती कर सकते हैं और फिर उन्हें अपने वेबकैम के सामने यौन क्रिया करने के लिए राजी कर सकते हैं, अक्सर शिकार को लुभाने के लिए एक आकर्षक महिला का उपयोग करते है।

इन महिलाओं को वित्तीय प्रोत्साहन या धमकियों का उपयोग करके इन कार्यों में मजबूर किया गया हो सकता है। ये वेबकैम वीडियो अपराधियों द्वारा रिकॉर्ड किए जाते हैं जो फिर पीड़ितों के दोस्तों और परिवार के साथ छवियों को साझा करने की धमकी देते हैं। इससे पीड़ितों को बेहद शर्मिंदगी और शर्मिंदगी महसूस हो सकती है। पुरुष और महिला दोनों इस अपराध का शिकार हो सकते हैं, या तो उन्हें ब्लैकमेल किया जा सकता है या यौन कृत्यों को करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। बेहद आकर्षक महिला के नकली प्रोफाइल पहले से ही बनाए जाते हैं और उन्हें यथार्थवादी दिखने के लिए सावधानीपूर्वक देखभाल की जाती है, यानी प्रोफाइल की लंबी कालक्रम, नियमित अद्यतन, या आकर्षक और यथार्थवादी चित्रों को नियमित रूप से अपलोड करना आदि।

इन नकली लेकिन वास्तविक प्रोफाइल से पहचाने गए लक्ष्यों के लिए मित्र अनुरोध भेजे जाते हैं। अनुरोध फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिंडर, डेटिंग या यहां तक कि वैवाहिक साइटों जैसे प्लेटफार्मों में अत्यधिक दोस्ताना और आकर्षक आकर्षक महिलाओं से हैं। इस घिनौने कृत्य के लिए तकनीकी पहलुओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है और भोले-भाले शिकार का विश्वास हासिल करने के लिए 'सोशल इंजीनियरिंग' नामक मनोवैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। सोशल इंजीनियरिंग से तात्पर्य अपराधियों द्वारा धोखे और धोखाधड़ी के माध्यम से पीड़ितों को हेरफेर करने के लिए उपयोग की जाने वाली मनोवैज्ञानिक चाल से है। फिर स्कैमर्स उन्हें यौन लालच के वीडियो कॉल में शामिल होने के लिए लुभाते हैं और प्रेरित करते हैं, आमतौर पर गिरोह की महिला सहयोगियों को भद्दे वीडियो कॉल में लिप्त होने और इनबिल्ट या डाउनलोड किए गए स्क्रीन रिकॉर्डिंग ऐप का उपयोग करके उन्हें रिकॉर्ड करने के लिए प्रेरित किया जाता है। ये रिकॉर्ड की गई कामोत्तेजक क्लिप फिर जबरन वसूली के साधन बन जाते हैं जिससे पीड़िता को अनकहा आघात होता है। भारत में 70 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन (प्रत्येक अपने आप में एक शक्तिशाली कंप्यूटर की तरह काम कर रहे हैं) के साथ, सेक्सटॉर्शन के जाल फैलाने के लिए चारागाह हैं। यह भारतीय समाज में यौन इच्छाओं से जुड़े अत्यधिक पाखंड और कलंक के साथ मिलकर, लोगों को फंसाने के लिए एक अनुकूल प्रजनन स्थल की सुविधा प्रदान करता है। सेक्सटॉर्शन एक दर्दनाक, भयानक और अमानवीय उल्लंघन है जो पीड़ितों की शर्म और सामाजिक स्तर से खेलता है।

ऐसे में अपने आप को शिकार बनने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप इस बारे में बहुत सावधान रहें कि आप किसके साथ ऑनलाइन मित्रता करते हैं, खासकर यदि आप उनके साथ कुछ भी अंतरंग साझा करने पर विचार कर रहे हैं। घबराएं नहीं, पहला बड़ा कदम यह पहचानना है कि आप इसमें 'पीड़ित' हैं और जो कुछ हुआ है, उसमें आपकी मदद करने के लिए आपको समर्थन की आवश्यकता हो सकती है। ब्लैकमेल के तौर पर पैसे की बजाये उल्टा धमकाना सही उपाय हो सकता है लेकिन अनुभव से पता चलता है कि जहां पीड़ितों ने भुगतान किया है, वहां इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अपराधी अभी भी रिकॉर्डिंग पोस्ट नहीं करेंगे और वास्तव में आगे की मांगों के साथ वापस आने की अधिक संभावना है। संवाद न रखें, ब्लॉक कर दे क्योंकि इन धमकियों का जवाब देने से यह अपराधियों को संकेत मिलता है कि आप ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें अपनी फिरौती देने के लिए राजी किया जा सकता है। साथ ही आपके साथ क्या हुआ है इसकी रिपोर्ट करने के लिए आप अपने स्थानीय पुलिस बल (101) से संपर्क कर सकते हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है यदि आप इस मुद्दे से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यदि आपकी आयु 18 वर्ष से कम है, तो किसी विश्वसनीय वयस्क से बात करने पर विचार करें और बाल शोषण ऑनलाइन सुरक्षा के माध्यम से अतिरिक्त सहायता भी प्राप्त करे।

इस अपराध के पीछे संगठित अपराध समूह ज्यादातर विदेशों में स्थित हैं। उनके लिए यह पैसा कमाने का एक कम जोखिम वाला तरीका है और वे कई पीड़ितों तक आसानी से ऑनलाइन पहुंच सकते हैं। पीड़ित अक्सर पुलिस को इन अपराधों की रिपोर्ट करने से चिंतित होते हैं क्योंकि वे शर्मिंदा होते हैं। जबकि सेक्सटॉर्शनिस्ट पीड़ितों को परेशान करने, शर्मिंदा करने, आघात करने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग कर सकते हैं, यह उच्च समय है कि दानव को सिर के बल ले जाया जाए और जागरूकता बढ़ाने और सेक्सटॉर्शन की बुराई के सामाजिक कलंक को दूर किया जाए। यह ध्यान देने योग्य है कि इंटरनेट कभी भी 'भूलता और माफ नहीं करता' और इसकी पहुंच और प्रसार बिजली से तेज और विशाल है। प्रभावशाली दिमाग वाली हमारी युवा पीढ़ी को यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए कि वे कभी भी अश्लील वीडियो कॉल में शामिल न हों और अगर कोई अजनबी अंतरंगता विकसित करने के लिए जल्दबाजी करता है, तो खतरे की घंटी बजनी चाहिए। रैकेटियों को रिपोर्ट करने और निडर होकर न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत है।

"इस अपराध के पीछे संगठित अपराध समूह ज्यादातर विदेशों में स्थित हैं। उनके लिए यह पैसा कमाने का एक कम जोखिम वाला तरीका है और वे कई पीड़ितों तक आसानी से ऑनलाइन पहुंच सकते हैं। पीड़ित अक्सर पुलिस को इन अपराधों की रिपोर्ट करने से चिंतित होते हैं, जबकि सेक्सटॉर्शनिस्ट पीड़ितों को परेशान करने, शर्मिंदा करने, आघात करने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग कर सकते हैं, यह उच्च समय है कि दानव को सिर के बल ले जाया जाए और जागरूकता बढ़ाने और सेक्सटॉर्शन की बुराई के सामाजिक कलंक को दूर किया जाए। यह ध्यान देने योग्य है कि इंटरनेट कभी भी 'भूलता और माफ नहीं करता' और इसकी पहुंच और प्रसार बिजली से तेज और विशाल है। प्रभावशाली दिमाग वाली हमारी युवा पीढ़ी को यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए कि वे कभी भी अश्लील वीडियो कॉल में शामिल न हों और अगर कोई अजनबी अंतरंगता विकसित करने के लिए जल्दबाजी करता है, तो खतरे की घंटी बजनी चाहिए। रैकेटियर को रिपोर्ट करने और निडर होकर न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत है।

सुरक्षा के साथ मानवता का धर्म निभा रही कांस्टेबल सोनिया

डॉ सत्यवान सौरभ

जीवन में सबके अपने सपने होते हैं लेकिन उन सपनों को अगर किसी भी माध्यम से देश की सेवा के साथ-साथ किसी गरीब, असहाय के मदद से जोड़ सके तो सोने पर सुहागा, जी हाँ कुछ ऐसा ही कर रही भारत की बेटी सोनिया जोशी जो अभी उत्तराखंड पुलिस में कार्यरत हैं। ड्यूटी के साथ- साथ एक सिंगर, कवयित्री, गीतकार एक्ट्रेस भी है। सोनिया ' हिंदी, गढ़वाली, सॉन्ग्स बहुत ही बेहतरीन तरीके से गाती है।

बचपन से ही अपने स्कूल कॉलेज के प्रोग्रामो में भी भाग लेती रही सोनिया जोशी का जन्म 22 अगस्त 1992 को माता श्रीमती मधु जोशी (ग्रहणी) एवं पिता श्री हरीश चंद्र जोशी (रिटायर्ड आईटीबीपी) के घर, ग्राम घानियाल पोस्ट ऑफिस तलवाडी चमोली में हुआ। सोनिया के परिवार में माता-पिता के अलावा एक छोटी बहन और एक छोटा भाई भी है। उनका परिवार एक निम्न मध्यम वर्ग से है। परिवार में शुरूआत से ही बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ा परन्तु माता-पिता ने पालन पोषण व पढाई में कोई कमी नही छोड़ी।

सोनिया ने शिक्षा अलग-अलग जगह से प्राप्त की है। पिताजी जब आईटीबीपी मातली उत्तरकाशी में कार्यरत थे तो आठवीं तक की पढ़ाई मातली इंटर कॉलेज में की है और उसके बाद की 10वीं 12वीं की पढ़ाई राजकीय इंटर कॉलेज तलवाडी से फिर बीएससी राजकीय महाविद्यालय तलवाड़ी से की। उसके बाद देहरादून से बीएड किया। स्कूल टाइम से ही उन्हें गाने का व कविता लिखने का शौक था। स्कूल में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेकर ही उन्हें संगीत में रुचि बढ़ने लगी। खेलकूद में भी हमेशा आगे ही रही। 100 मीटर रेस व हाई जंप में प्रतिभाग किया है।

स्कूल कॉलेज का मान हमेशा बढ़ाया बस हार कभी नहीं मानी। वर्दी पहनने के बाद वह अपनी कविता और अपने गानों के माध्यम से भी जनता की सेवा कर रही है। समाज मे फैली कई बुराइयों, संकीर्ण भावनाओं को दूर करने के लिए भावों, विचारों को अपनी कविता और अपने गीतों के माध्यम से समाज में रखने का समय-समय पर प्रयास करती है। परिवार एवं मित्रों के सहयोग से ड्यूटी के दौरान समय निकाल कर गीत रिकॉर्ड करती है।

समाज में फैली बुराइयों जैसे भ्रूण हत्या, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अन्य ऐसी कई गीतों पर स्वयं अभिनय भी कर चुकी है। इनके गीतों को लोगों ने बहुत सहराया है। तेरी मिट्टी गीत गा कर इन्हे एक राष्ट्रीय पहचान मिली। जिसे एक दिन में 40 लाख लोगों ने पसंद किया और एक हफ्ते में 1 करोड़ लोगों ने पसंद किया। फिर तू कितनी अच्छी है गीत भी लोगों बहुत पसंद किया। जिसे अभी तक 40लाख लोगों ने पसंद किया है। देश के जवानों को समर्पित गीत, मेरा एक सलाम, और महिला सशक्तिकरण पर भी हौसला गीत काफी सराहे गए है।

"फर्ज आखिर फर्ज ही होता है पुलिस की ड्यूटी हो या समाज में फैले तमाम बुराइयों को दूर करने का फर्ज एक पुलिसकर्मी बेहतर ढंग से निभा सकता है। वो भी महिला पुलिसकर्मी। इसका काबिले गौर उदाहरण बनी है सोनिया जोशी जो अभी उत्तराखंड पुलिस में कार्यरत हैं। अपनी ड्यूटी के साथ आम जनता की सेवा के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होकर अपना कर्तव्य निभा रही है सोनिया जोशी। महिला सिपाही वर्दी के साथ-साथ समाज में फैली बुराइयों को मिटाने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने पुलिस में कठिन और प्रतिकूल स्थितियों में न सिर्फ अपने जीवन को संभाला। बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का विषय बनी। आज वह समाज में अलग-अलग कार्य में सक्रिय हैं। बता दें कि इस मुहिम का झंडा हाथ में लेकर काम आसान नहीं था। ऐसे काम आसान भी नहीं होते सोनिया ने मेहनत और काबिलियत के दम पर सफलता के कई ऐसे मुकाम हासिल किए हैं जो हर किसी के लिए मिसाल है।

सोनिया बताती है कि परिवार का साथ और मित्रों का सपोर्ट उन्हें निरंतर अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित करता रहता है। आगे चलकर वो उत्तराखण्ड संगीत जगत को देश और दुनिया के बीच जो-शोर से पहुँचाना चाहती है। और समाज में अपने गीतों के माध्यम से कुरीतियों पर चोट करके जनता को जागरूक करना चाहती है। उनका मानना हैं कि मनुष्य भावनाओं से जुड़ा होता है और अगर आपको समाज को बदलना है तो संगीत में बहुत ताकत होती है। इनके कुछ हिट गाने (तू हौसला रख), (पुकार), (तुमको नमन), सुरकंडा भवानी भजन, इक सलाम देश भक्ति, हौसला है सोनिया को बैडमिंटन खेलना, सिन्गिंग और गाना व कविता लिखना पसंद है। साथ ही खाने मे अलग-अलग डिशेज बनाकर खिलाने का शौक रखती है। खाली समय में उन्हें कविताएं लिखना, मूवी देखना और भजन सुनना पसंद है।

फर्ज आखिर फर्ज ही होता है पुलिस की ड्यूटी हो या समाज में फैले तमाम बुराइयों को दूर करने का फर्ज एक पुलिसकर्मी बेहतर ढंग से निभा सकता है। वो भी महिला पुलिसकर्मी। इसका काबिले गौर उदाहरण बनी है सोनिया जोशी जो अभी उत्तराखंड पुलिस में कार्यरत हैं।

अपनी ड्यूटी के साथ आम जनता की सेवा के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होकर अपना कर्तव्य निभा रही है सोनिया जोशी। महिला सिपाही वर्दी के साथ-साथ समाज में फैली बुराइयों को मिटाने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने पुलिस में कठिन और प्रतिकूल स्थितियों में न सिर्फ अपने जीवन को संभाला। बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का विषय बनी।

आज वह समाज में अलग-अलग कार्य में सक्रिय हैं। बता दें कि इस मुहिम का झंडा हाथ में लेकर काम आसान नहीं था। ऐसे काम आसान भी नहीं होते सोनिया ने मेहनत और काबिलियत के दम पर सफलता के कई ऐसे मुकाम हासिल किए हैं जो हर किसी के लिए मिसाल है।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 06, नई दिल्ली, बुधवार, 02 नवम्बर , 2022

हरियाणा को 6600 करोड़ की 4 परियोजनाओं की सौगात, अमित शाह ने किया शिलान्यास

गृह मंत्री अमित शाह आज 28 अक्टूबर को हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित जन उत्थान रैली में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने 6600 करोड़ की 4 परियोजनाओं का शिलान्यास किया. कार्यक्रम में सबसे बड़ी 5618 करोड़ की लागत वाली हरियाणा आर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना की भी शुरुआत की गई। अमित शाह ने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद हरियाणा के विकास को नए पंख लगेंगे. साथ ही लोगों के लिए ट्रेनों से यात्रा करना भी आसान हो जाएगा। यह कॉरीडोर पलवल से शुरू होकर केएमपी मार्ग तक जाएगा।

इन परियोजनाओं का होगा उद्घाटन

इस परियोजनाओं में लगभग 5,600 करोड़ रुपए लागत की हरियाणा ऑरबिटल रेल कॉरिडोर परियोजना का शिलान्यास किया जाएगा। इसी प्रकार, बड़ी (गन्नौर) जिला सोनीपत में बने लगभग 590 करोड़ रुपए लागत के रेल कोच नवीनीकरण कारखाने का उद्घाटन होगा तो वहीं, लगभग 315 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से रोहतक में बने देश के पहले सबसे लम्बे एलिवेटिड रेलवे ट्रैक का लोकार्पण किया जाएगा। ऐसे ही, लगभग 106 करोड़ रुपये की लागत के हरियाणा पुलिस आवास परिसर, भौंडसी का उद्घाटन किया जाएगा।

6,660 करोड़ रुपए की हरियाणा ऑरबिटल रेल कॉरिडोर परियोजना का शिलान्यास

हरियाणा ऑरबिटल रेल कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत पलवल से सोनीपत तक लगभग 121 किलोमीटर लम्बी दोहरी रेल लाइन बिछाई जाएगी, जो दिल्ली को बाइपास करेगी। इससे दिल्ली से शुरू होकर हरियाणा से गुजरने वाले सभी रेल मार्ग आपस में जुड़ जाएंगे। इससे दिल्ली का यातायात भार कम होगा और प्रदूषण में भी कमी आएगी। यह रेल कॉरीडोर गुरूग्राम से चण्डीगढ तक शताब्दी जैसी रेलगाडियां चलाने में सक्षम बनाएगा। इस कॉरीडोर से इसके साथ लगते क्षेत्रों की कनैक्टिवविटी बढ़ जाएगी जिससे वहां उद्योग और लॉजिस्टिक्स के नए केन्द्र स्थापित होंगें और पंचग्राम योजना को सिरे चढाने में यह कॉरीडोर अहम योगदान देगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि देशभर में 75 वंदे भारत रेलगाडियों को चलाने के तहत चार वंदे भारत रेलगाडियां चल चुकी हैं जिसमें से दो हरियाणा में होकर जाती है अर्थात एक दिल्ली से कटरा और दूसरी हाल ही में शुरू की गई अम्ब-अंदौरा से नई दिल्ली के लिए चलाई गई है। इन दोनों ही रेलगाडियों से हरियाणा को लाभ मिल रहा है और यह 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफतार से चलती हैं।

लगभग 590 करोड़ रुपए के रेल कोच नवीनीकरण कारखाने का उदघाटन

रेल कोच नवीनीकरण कारखाने की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस कारखाने का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से गत 9 अक्तूबर, 2018 को किया गया था। इसकी वार्षिक क्षमता 250 एल.एच.बी. कोचों के नवीनीकरण की है। इस कारखाने की स्थापना से इसके आसपास के क्षेत्र में इसकी सहायक औद्योगिक इकाईयां लगेंगी जिससे औद्योगिकीकरण को बढावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

लगभग 315 करोड़ 40 लाख रुपए की एलिवेटिड ट्रैक परियोजना का लोकार्पण

एलिवेटिड ट्रैक परियोजना के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि रोहतक में लगभग 5 किलोमीटर लम्बी एलिवेटिड ट्रैक परियोजना से रोहतक शहर में यातायात जाम से मुक्ति मिल गई है। यह ट्रैक शहर की 4 व्यस्त रेलवे क्रासिंग के ऊपर से गुजरेगा। रोहतक में बनने वाला यह पहला ट्रैक होगा। इसके बाद जींद, कुरूक्षेत्र और कैथल में भी इस प्रकार के ट्रैक बनाए जाएंगें।

106 करोड़ रुपए की हरियाणा पुलिस आवास परिसर, भौंडसी परियोजना का उदघाटन

हरियाणा पुलिस आवास परिसर, भौंडसी के बारे में बताते हुए मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि लगभग 106 करोड़ रुपए की लागत से बने इस परिसर के निर्माण से पुलिसकर्मियों को आवास सुविधा उपलब्ध होगी। इसमें 18 एकड़ में 576 मकान बनाए गए हैं। इसी दिशा में राज्य सरकार ने पुलिस हाऊसिंग कॉर्पोरेशन को हडको के माध्यम से 1,050 करोड़ रुपए का अतिरिक्त फंड प्रदान करने का फैसला लिया है। इससे पहले भी, कॉर्पोरेशन को 550 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है जिससे जिला पुलिस लाईनों में 3,060 घरों का निर्माण विभिन्न स्तर पर जारी है।

मुख्यमंत्री ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार की गई पुस्तिका ''आठ साल राख्या ख्याल'' का किया विमोचन

इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने वर्तमान राज्य सरकार की आठ साल की उपलब्धियों पर सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा तैयार की गई पुस्तिका ''आठ साल राख्या ख्याल'' का विमोचन भी किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए विभाग के महानिदेशक श्री अमित अग्रवाल ने बताया कि हालांकि राज्य सरकार की उपलब्धियां बहुत हैं लेकिन विभाग ने इस पुस्तिका में सरकार की मुख्य-मुख्य उपलब्धियों की जानकारी दी है। इस पुस्तिका में टैगलाईन ''सुशासन ही आधार-डबल इंजन हरियाणा सरकार'' दी गई है। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के महानिदेशक अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार अमित आर्य, विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर राज नेहरू सहित विभागों के अन्य अधिकारी व पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
8
वर्ष : 01 , अंक : 06, नई दिल्ली, बुधवार, 02 नवम्बर , 2022

सेना देशों में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने कोहली, सचिन को छोड़ा पीछे

स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने भारत के लिए सेना (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने के महान क्रिक्रेटर सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

कोहली ने गुरुवार को सिडनी क्रिक्रेट ग्राउंड (एससीजी) में चल रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप में नीदरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच में विराट ने 44 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 62 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

इसी के साथ विराट ने सेना देशों में अपना 49वां अर्धशतक बनाया। स्टार बल्लेबाज के नाम ऑस्ट्रेलिया में 17, इंग्लैंड में 18, न्यूजीलैंड में पांच और दक्षिण अफ्रीका में नौ अर्धशतक हैं।

दूसरी ओर, सचिन ने सेना देशों में 48 अर्धशतक लगाए हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया में 17, इंग्लैंड में 12, न्यूजीलैंड में 10 और दक्षिण अफ्रीका में नौ अर्द्धशतक हैं।

सेना देश तेज, उछाल वाले विकेटों के लिए जाने जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, इन देशों में भारत का प्रदर्शन दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में कमजोर रहा है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने पूरे करियर में ऑस्ट्रेलिया में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया में 67 मैच के 84 पारियों में 42.85 की औसत से 3,300 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया में उनके बल्ले से 241* के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ सात शतक और 17 अर्धशतक निकले हैं।

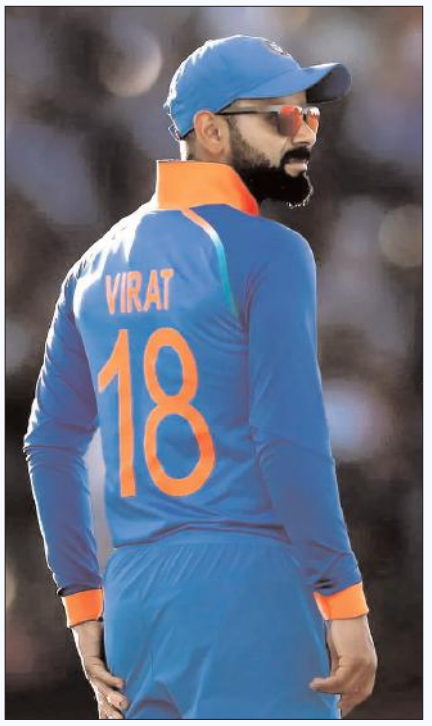

वहीं, ऑस्ट्रेलिया में विराट ने 55 मैचों की 66 पारियों में 56.44 की औसत से 3,274 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया में उनके बल्ले से 11 शतक और 17 अर्धशतक निकले हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ 169 है। बता दें कि भारत टी20 विश्व कप की अंक तालिका में चार अंकों के साथ शीर्ष पर है। भारत ने विश्व कप में पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ अपने दोनों शुरुआती मैच जीते है। वहीं, नीदरलैंड सबसे नीचे है और उसने कोई अंक हासिल नहीं किया है।

वर्ष 2022 में टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने सूर्यकुमार, रिजवान को छोड़ा पीछे

भारतीय स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव वर्ष 2022 में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिक्रेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्या ने गुरुवार को चल रहे टी 20 विश्व कप में नीदरलैंड के खिलाफ मैच में यह उपलब्धि हासिल की।

सूर्या ने नीदरलैंड के खिलाफ सिर्फ 25 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए। सूर्यकुमार ने 25 पारियों में एक शतक सहित 41.28 की औसत से 867 रन बनाए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को पीछे छोड़ा, जो इस साल 19 पारियों में 51.56 के शानदार औसत के साथ 825 रन बनाकर स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष पर थे।

सूर्यकुमार टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों के लिए आईसीसी रैंकिंग में न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे के बात तीसरे स्थान पर हैं, जबकि रिजवान शीर्ष पर बने हुए हैं।

वर्ष 2022 में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा हैं, जिन्होंने 19 पारियों में 87 के उच्चतम स्कोर के साथ 38.35 के औसत के साथ 652 रन बनाए हैं।

श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसानका ने 2022 में 21 टी-20 पारियों में 636 रन बनाए हैं। आक्रमक दाएं हाथ के बल्लेबाज शीर्ष स्कोरर सूची में चौथे स्थान पर हैं और उनका औसत 31.80 है, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 75 रन है।

विराट

'बिना शादी भी मां बन सकती है नव्या' नानी जया बच्चन को नहीं है कोई आपत्ति,बोलीं-'फिजिकल अट्रेक्शन जरूरी'

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस जया बच्चन आए दिन अपने बयानों के चलते सुर्खियों में छाई रहती हैं। जया बच्चन का पैपराजी को देख मुंह बनाना भी चर्चा का हिस्सा बना रहता है। कुछ दिनों पहले ही जया बच्चन ने खुलासा किया था कि उन्हें उन लोगों से नफरत है जो उनसे जुड़ी खबरों से अपना पेट भरते हैं। वहीं अब जया बच्चन ने अपनी नातिन नव्या नवेली को लेकर एक ऐसा बयान दे दिया है जो इस समय सुर्खियों में हैं। जया बच्चन का कहना है कि किसी भी रिश्ते को चलाने के लिए फिजिकल अट्रेक्शन जरूरी होता है और उन्हें नव्या के बिना शादी के बच्चा पैदा करने में कोई आपत्ति नहीं हैं।

दरअसल, जया बच्चन ने हाल ही में नातिन नव्या के पॉडकास्ट 'व्हाट द हेल नव्या शिरकत की थी। जहां उन्होंने नव्या से खुलकर बातें की थीं। इस दौरान जय ने ये भी कहा- 'हमारे समय के दौरान हम एक्सपेरिमेंट नहीं कर सके।' उन्होंने ये भी कहा कि एक रिश्ता 'प्यार, ताजी हवा और समायोजन' पर नहीं टिक सकता।

हिन्दी का राष्ट्रीय राजनैतिक साप्ताहिक
राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
प्रचार है तो व्यापार है,
अपने व्यवसाय, राजनीति से जुड़ी
वार /त्यौहार/ जयंती/ पुण्यतिथि/ चुनावी अभियान का विज्ञापन
अब देश के लोकप्रिय हिंदी अखबार
एवं डिजिटल न्यूज़ पोर्टल
'राजनीतिक तरकस'
में दें।
जुड़े अपनों के साथ ऑनलाइन बुकिंग की अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
प्रधान संपादक
जितेंद्र तिवारी
प्रबंध संपादक
राजेश तिवारी
Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069
Website: www.ajneetiktarkas.n